Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.P.A. I YEAR Regular

2023-24

Subject code	Subject Nature	Mid Term	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Kathak Theory Core 1***				
C1-BDK-101 C1-BDk-102	1-History & development of Indian dance 2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30 30	70 70	100 100	33% 33%
C2-BDK-101 C2-BDK-101	Technical Course Practical Core-2 1- Demostration & Viva 2- Stage Performance	30 30	70 70	100 100	33% 33%
Group B EO-BDK-101	Elective open subject (Folk dance, makeup techniques, Sound operating	30	70	100	33%

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.P.A. II YEAR Regular

Subject cod	Subject Nature	Mid Term	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core -1 Subject – Kathak***				
C1-BDK-203 C1-BDK-204	1-History & development of Indian dance 2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30 30	70 70	100 100	33% 33%
C2-BDK-203 C2-BDK-204	Technical Course Practical Core-2 1- Demostration & Viva 2- Stage Performance	30 30	70 70	100 100	33% 33%
Group-B EO-BDK-202	Elective open subject (Tabla,Pakhavaj,Light technique)	30	70	100	33%

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.P.A. III YEAR Regular

Subject cod	Subject Nature	Mid Term	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core -1 Subject – Kathak***				
C1-BDK-203 C1-BDK-204	1-History & development of Indian dance 2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30 30	70 70	100 100	33% 33%
C2-BDK-203 C2-BDK-204	Technical Course Practical Core-2 1- Demostration & Viva 2- Stage Performance	30 30	70 70	100 100	33% 33%
Group-B EO-BDK-202	Elective open subject (Tabla,Pakhavaj,Light technique)	30	70	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE***				
F-HM-204	HINDI & MORAL VALUES - I	30	70	35	33%
F-EL-205	ENGLISH LANGUAGE - II	30	70	35	33%
F-ES-206	**Environmental study- III**	30	70	30	33%

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.P.A. IV YEAR Regular

Subject cod	Subject Nature	Mid Term	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core -1 Subject – Kathak***				
C1-BDK-203 C1-BDK-204	1-History & development of Indian dance 2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	20 20	80 80	100 100	33% 33%
C2-BDK-203 C2-BDK-204	Technical Course Practical Core-2 1- Demostration & Viva 2- Stage Performance	20 20	80 80	100 100	33% 33%
Group-B EO-BDK-202	Elective open subject (Tabla,Pakhavaj,Light technique)	20	80	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE***				
F-HM-204	HINDI & MORAL VALUES - I	20	80	35	33%
F-EL-205	ENGLISH LANGUAGE - II	20	80	35	33%
F-ES-206	**Environmental study- III**	20	80	30	33%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम (नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2023–24

Class : BPA I st Year
Subject : Kathak
Paper : I st
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 70
Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1st	पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन– 1. ततकार, हस्तक, ठाठ, ताल, ठेका, मात्रा, सम, ताली, खाली, विभाग। 2. कथक नृत्य शैली का परिचय।	
Unit- IInd	तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य :– 1. पद संचालन, हस्तक संचालन, ठाठ, एक उठान, एक आमद, तीन सादा तोड़े, एक परन, एक तिहाई। 2. चक्करदार परन अथवा तोड़े, एक कवित्त एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन।	
Unit- IIIrd	1. ताण्डव एवं लास्य नृत्य का सविस्तार वर्णन। 2. नटन भेदों की जानकारी।	
Unit- IVth	1. गत निकास, गत भाव को परिभाषित कीजिए। 2. भारतीय नृत्यकला के इतिहास पर प्रका” ा डालिए।	
Unit- Vth	1. नृत्य का इतिहास– प्राचीन काल से मध्य काल तक। 2. जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदानः पं. बिन्दादीन महाराज, पं. कालका प्रसाद, पं. अच्छन महाराज, पं. लच्छू महाराज, पं. शम्भू महाराज एवं पं. बिरजू महाराज।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2023–24

Class : BPA Ist Year
Subject : Kathak
Paper : 2nd
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 70
Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. गणेश वंदना अथवा गुरू वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार (1–16) असंयुक्त हस्तमुद्राओं का मूल–श्लोक सहित अध्ययन।	
Unit- IInd	1. अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तों का श्लोक सहित अध्ययन एवं क्रमानुसार (1 से 16) तक हस्तमुद्राओं का चित्रांकन व विनियोग सहित वर्णन 2. लोकनृत्य को परिभाषित कीजिए एवं किसी भी एक प्रदे" ा के लोकनृत्य का वर्णन कीजिए।	
Unit- IIIrd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेद का अध्ययन। 2. अभिनय किसे कहत हैं।	
Unit- IVth	1. प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत तीनताल, दादरा, कहरवा सीखे गये तालों के ठेकों को एकगुन, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करना। 2. समस्त सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।	
Unit- Vth	1. ताल त्रिताल, ताल कहरवा, ताल दादरा तालों की ठाह,दुगुन, चौगुन सहित पढ़न्त करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोलों की पढ़न्त करने की क्षमता। 2. त्रिताल में एक आमद लिपिबद्ध कीजिए।	

नोटः– प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल – तीनताल, दादरा, कहरवा।

संदर्भित पुस्तकेंः–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरु दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों स संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक

Unit- 1st	तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य :– पद संचालन, हस्तक संचालन, ठाठ, एक उठान, एक आमद, तीन सादा तोड़े, एक परन, एक तिहाई, एक चक्करदार परन अथवा तोड़े, एक कवित्त एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन।	
Unit- IInd	3. गत निकास– मुकुट, मुरली व मटकी। 4. गतभाव– पनघट (पनिहारिन)	
Unit- IIIrd	1. गणेश वंदना अथवा गुरू वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार (1–16) हस्तमुद्राओं का मूल–श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- IVth	1. किसी भी एक प्रदेश के एक लोक नृत्य पर प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेद एवं शिरोभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- Vth	ताल त्रिताल, कहरवा, दादरा तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन सहित पढ़न्त करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोलों की पढ़न्त करने की क्षमता।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)
Choice Based Credit System- (CBCS)
सत्र 2023–24

Class : BPA IInd Year
Subject : Kathak Dance
Paper : Ist
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 70
Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. मध्यकाल से आधुनिक काल तक भारतीय नृत्य कला का इतिहास। 2. शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम का परिचय।	
Unit- IInd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तों का (17 से 28) तक श्लोक एवं विनियोग सहित ज्ञान। 2. अभिनय दर्पण के विषय वस्तु का परिचयात्मक ज्ञान।	
Unit- IIIrd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार में वर्णित दृष्टि भेदों का श्लोक सहित अध्ययन। 2. अभिनय दर्पण के अनुसार पात्र लक्षण (गुण एवं दोष)	
Unit- IVth	1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञानः– आमद, सलामी, तोड़ा, टुकड़ा, परन, कवित्त, चक्करदार परन। 2. शास्त्रीय कुचीपुड़ी नृत्य का परिचय दीजिए।	
Unit- Vth	1. जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदानः– पं. कार्तिक राम, पं. कल्याण दास, पं. फिरतु दास, पं. रामलाल, पं. बर्मनलाल। 2. कथक नृत्य के प्रस्तुतिक्रम का विवरण।	

नोट :– प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल–तीन ताल, कहरवा, दादरा की पुर्नरावृत्ति।

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल –एक ताल, चौताल

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2023–24

Class : BPA II$_{nd}$ Year
Subject : Kathak Dance
Paper : 2nd
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्वात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 70
Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1$_{st}$	1. कथक नृत्य के जयपुर व लखनऊ की शैलीगत विशेषताऐं एवं सम्बंधित नृत्यकारों के बारे में जानकारी। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान– पं. सुखदेव महाराज, पं. जानकी प्रसाद। 2. मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान।	
Unit- IInd	3. अभिनय दर्पणानुसार संयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक सहित अध्ययन क्रमानुसार (1 से 16) तक हस्तमुद्राओं का चित्रांकन व विनियोग सहित वर्णन 4. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकारों का संक्षिप्त अध्ययन।	
Unit- IIIrd	1. कथक नृत्य में ताल की महत्ता। 2. अभिनय के प्रकार को समझाइए एवं कथक नृत्य में उनका प्रयोग।	
Unit- IVth	3. त्रिताल, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना। 4. त्रिताल में समस्त सीखे गये बोलों का लिपिबद्ध करना।	
Unit- Vth	1. एकताल व चौताल की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये समस्त बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।	

नोट :– प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल–तीन ताल, कहरवा, दादरा की पुर्नरावृत्ति।

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल – एक ताल, चौताल

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरु दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों स संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक

Unit- 1st	1. शिव वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. चौताल अथवा एक ताल में निम्नानुसार नृत्यः– ठाठ, एक उठान एक आमद, एक तोड़े, एक सादा परन, एक चक्करदार तोड एवं एक चक्करदार परन।	
Unit- IInd	1. गत निकास– घूंघट एव बिंदिया 2. गतभाव–होली	
Unit- IIIrd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार दृष्टि भेदों का श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- IVth	3. किसी भी प्रदेश के एक लोक नृत्य पर प्रदर्शन। 4. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार गति भेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- Vth	एक ताल अथवा चौताल में निम्नानुसार नृत्यः– पद संचालन तत्कार की एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोल पढन्त करने की क्षमता।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : BPA III_{rd} Year

Subject : Kathak Dance

Paper : I^{st}

Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (History and development of Indian dance)

Compulsory/Optical : Compulsory

Max. Marks : 70

Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1_{st}	1. कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास क्रम 2. ताण्डव एवं लास्य नृत्य का सविस्तार वर्णन।	
Unit- II^{nd}	1. कथक नृत्य के जयपुर घराने की शैलीगत विशेषताएं तथा घराने की परम्परा का अध्ययन। जीवनोयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान– पं. सुन्दरप्रसाद, पं.– नारायण प्रसाद, पं. कुंदन लाल गंगानी, पं जयलाल जी,पं गौरी भांकर जी, पं सुंदरलाल जी । 2. बैले किसे कहते है । बैले को विस्तृत जानकारी दीजिए।	
Unit- III^{rd}	1. आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार भृकुटी भेदों का अध्ययन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं (16 से 23 तक) श्लोक सहित ज्ञान।	
Unit- IV^{th}	1. आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार भाव एवं रस का अध्ययन। 2. नायक भेदों का विस्तारपूर्वक अध्ययन।	
Unit- V^{th}	1. कथक नृत्य में गुरू वंदना एवं भूमि प्रणाम का महत्व। 2. तीन ताल, झपताल एवं सूलताल के ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना एवं इनमें सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : BPA III_{rd} Year

Subject : Kathak Dance

Paper : 2^{nd}

Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

Compulsory/Optical : Compulsory

Max. Marks : 70

Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1_{st}	1. मध्यकाल से वर्तमान काल तक कथक नृत्य के विकास का अध्ययन कीजिए। 2. भारतीय एवं पाश्चात्य नृत्य के संबंध पर प्रकाश डालिए।	
Unit- II^{nd}	1. कथक नृत्य के घरानों की विशेषताऐं एवं परम्परा का विशिष्ट अध्ययन। 2. जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदानः– पं. जयलाल महाराज, पं. नारायण प्रसाद, पं. सुंदर प्रसाद, पं. कुंदनलाल गंगानी, पं. राजेन्द्र गंगानी, पं. तीरथराम आजाद	
Unit- III^{rd}	1. अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्ता मुद्राओं का विनियोग सहित वर्णन कीजिए। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार चारी तथा भ्रमरी भेदों का अध्ययन।	
Unit- IV^{th}	1. आंगिक अभिनय के साधन क्या है ? 2. कथक नृत्य में भाव पक्ष का महत्व।	
Unit- V^{th}	1. आधुनिक समाज में नृत्य का स्थान। 2. कथक नृत्य में परम्परा एवं प्रयोग।	

नोटः– प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल –झपताल एवं सूलताल

पूर्व पाठ्यक्रम के ताल–तीन ताल, कहरवा, दादरा एक ताल, चौताल की पुर्नरावृत्ति।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक

Unit- 1st	1. तीन ताल में तिगुन व विभिन्न जाति के बोल, बन्दिशें तथा तिहाइयाँ करने का अभ्यास तत्कार के अंतर्गत लड़ी व चलन करने का अभ्यास।	
Unit- IInd	1. गत निकास–बिंदिया व छूट (ठाठ) 2. गतभाव–माखनलीला।	
Unit- IIIrd	1. सरस्वती वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. नाट्य शास्त्रानुसार भृकुटी भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- IVth	1. झपताल एवं सूलताल में निम्नानुसार नृत्यः– पद संचालन, ठाठ, एकआमद, तीन तोड़े, एक परन, एक चक्करदार परन, एक तोडा, एक कवित्त दो तिहाई एवं तत्कार – ठाह दुगुन, तिगुन, चौगुन	
Unit- Vth	पढन्त करने की क्षमताः– 1. झपताल एवं सूलताल की ठाह, दुगुन तिगुन एवं चौगुन। 2. प्रायोगिक में सीखी गयी सभी बन्दिशों का नृत्य प्रदर्शन	

नोटः–तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल–झपताल एवं सूलताल

पूर्व में सीखे गए पाठ्यक्रम की पुर्नरावृत्ति

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022—23

Class : BPA IVth Year
Subject : Kathak Dance
Paper : Ist
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 80
Mid Term : 20

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. कथक नृत्य में बनारस घराने की विशेषताऐं एवं घराने की परम्परा का अध्ययन। जीवनोया एवं कथक नृत्य में योगदान—पं. सुखदेव महाराज, पं. जानकी प्रसाद, विदुषी सितारा देवी, पं. गोपीकृष्ण, पं. कृष्ण कुमार। 2. शास्त्रीय शैली में कथकली, मोहिनीअट्टम एवं सत्त्रिय का विस्तृत अध्ययन।	
Unit- IInd	1. लोकधर्मी, नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग का अध्ययन। 2. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।	
Unit- IIIrd	1. अष्ट नायिका भेदों का विस्तृत ज्ञान। 2. ताल के दसप्राण का विस्तृत अध्ययन।	
Unit- IVth	1. सोलह श्रंगार एवं बाहर आभूषणों की जानकारी एवं कथक नृत्य में उनके महत्व का ज्ञान। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित ''अभिनय दर्पण'' के अनुसार दशावतार हस्तों का श्लोक सहित ज्ञान।	
Unit- Vth	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार 108 करण के नाम एवं प्रारंभिक 1 से 25 तक करणों का विस्तृत अध्ययन। 2. रासलीला की व्याख्या एवं विस्तृत अध्ययन।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : BPA IVth Year
Subject : Kathak Dance
Paper : 2^{nd}
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्वात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 80
Mid Term : 20

Particulars/विवरण

Unit- 1_{st}	1. कथक नृत्य के विकास में नवाब वाजिद अली शाह के योगदान का अध्ययन। 2. कथक नृत्य के विकास में राजा चक्रधर सिंह का योगदान।	
Unit- II^{nd}	1. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिये गये कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता– कालिया दमन, शूर्पणखा, मानभंग कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूपसज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस। 2. प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।	
Unit- III^{rd}	1. पंचमसवारी अथवा गजझम्पा तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये नृत्य के बोलों की लिपिबद्ध करने की क्षमता।	
Unit- IV^{th}	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद। 2. नृत्य के उपकरण– मंच व्यवस्था, संगतकार, वेशभूषा, ध्वनिप्रकाश व्यवस्था।	
Unit- V^{th}	1. त्रिताल में एक तिहाई लिपिबद्ध कीजिए। 2. कर्ण किसे कहते है। कर्ण के बारे में विस्तृत जानकारी दीजिए।	

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों स संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णाक : 100**

Unit- 1st	1. पूर्व में किये गये तालों की पुनरावृत्ति। 2. तीनताल में तोड़े एवं परन के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन।	
Unit- IInd	1. गतनिकास–रूखसार एवं घुंघट के प्रकार 2. गतभाव–कालियादमन	
Unit- IIIrd	1. राम स्तुति पर भाव प्रदर्शन। 1. गतभाव–गोवर्धन पूजा।	
Unit- IVth	1. कृष्ण वंदना पर भाव प्रदर्शन 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित ''अभिनय दर्पण'' के अनुसार दशावतार हस्तों का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- Vth	पढन्त करने की क्षमताः– 1. पंचम सवारी (15 मात्रा) तथा गजझंपा (15 मात्रा) की ठाह, दुगुन,व चौगुन। 2. प्रायोगिक में सीखे गये सभी बंदिशें।	

नोटः–चतुर्थ वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल पंचमसवारी और गजझम्पा
पूर्वकक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।